"पारस्परिक संबंधों को मजबूत करना"

5 दिसंबर, 2024 को विधि कार्य विभाग (डीएलए) के कर्मचारियों के लिए व्यवहार कार्यशालाओं की श्रृंखला के अंतर्गत "पारस्परिक संबंधों को मजबूत करना" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह सत्र सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक शास्त्री भवन के द्वितीय तल स्थित सम्मेलन कक्ष में ब्रह्म कुमारीज द्वारा आयोजित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज के एक प्रतिष्ठित वक्ता और प्रशिक्षक भाई संजीव ने कार्यशाला की शुरुआत की जिन्होंने पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों ही स्थितियों में मजबूत, सकारात्मक पारस्परिक संबंधों को विकसित करने के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। सत्र में संवाद कौशल को बढ़ाने, आपसी सम्मान को बढ़ावा देने और सहकर्मियों और साथियों के साथ मजबूत संबंध बनाने में समानुभूति के महत्व को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भाई संजीव ने कार्यस्थल के परिवर्तनों को नेविगेट करने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका पर जोर दिया और बताया कि कैसे विचारशील बातचीत और विश्वास-निर्माण के माध्यम से प्रभावी सहयोग प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यशाला में संयुक्त सचिव, अवर सचिव, कानूनी सलाहकार और डीएलए के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित अधिकारियों के एक प्रतिष्ठित समूह ने भाग लिया। सत्र ने एक आकर्षक माहौल को बढ़ावा दिया, प्रतिभागियों को अपनी संवाद शैलियों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया और कार्यस्थल पर संबंधों को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां पेश कीं।

भाई संजीव का दृष्टिकोण जानकारीपूर्ण और संवादात्मक दोनों था, जिसमें वास्तविक जीवन के उदाहरण और चर्चाएँ शामिल थीं, जिससे उपस्थित लोगों को आपसी सम्मान, सक्रिय सुनने और निष्पक्ष संवाद के महत्व को समझने में मदद मिली। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को संघर्षों को प्रबंधित करने, टीमवर्क में सुधार करने और डीएलए के भीतर अधिक सामंजस्यपूर्ण और सहयोगी कार्य संस्कृति बनाने के लिए सहायक साधनों से परिचित कराया।

कुल मिलाकर, "पारस्परिक संबंधों को मजबूत करना" कार्यशाला एक अत्यधिक प्रभावशाली सत्र था, जिसने उपस्थित लोगों को व्यावसायिक संबंधों को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक कौशल प्रदान किए, जिससे अधिक उत्पादक और सकारात्मक कार्य वातावरण में योगदान मिला।